

महीध पुं. (तत्.) महीधर, पहाड़।

महीन वि. (तत्.) 1. जिसका घेरा, तल या विस्तार इतना कम या थोड़ा हो कि सहसा दिखाई न दे, सूक्ष्म, मोटा का विपर्याय जैसे- महीन काम, महीन निशान 2. बहुत ही पतला या बारीक, झीना जैसे- कपड़े का महीन पोत 3. (स्वर) जो बहुत कम ऊँचा या तेज जो, कोमल, धीमा, मंद। जैसे- महीन आवाज।

महीना पुं. (तद्.) 1. काल का एक प्रसिद्ध परिमाण जो वर्ष के बारहवें अंश के बराबर और प्रायः तीस दिनों का होता है, मास, माह 2. हर महीने अर्थात् महीना भर काम करने के बदले मिलने वाला वेतन या वृत्ति 3. स्त्रियों का रजोधर्म या मासिक धर्म जो प्रायः महीने-महीने भर पर होता है।

महीपति पुं. (तत्.) राजा।

महीपाल पुं. (तत्.) राजा।

मही-पुत्र पुं. (तत्.) मंगल ग्रह।

मही-पुत्री स्त्री. (तत्.) सीता जी।

मही-प्राचीर पुं. (तत्.) समुद्र।

मही-भर्ता पुं. (तत्.) पृथ्वी (के निवासियों) का भरण-पोषण करने वाला, राजा।

मही-मंडल पुं. (तत्.) पृथ्वी, भूमंडल।

महीम पुं. (देश.) एक प्रकार का गन्ना।

महीयान वि. (तत्.) 1. किसी की तुलना में अधिक बड़ा 2. महान 3. शक्तिशाली।

महीर स्त्री. (देश.) 1. मक्खन को तपाने पर निकलनेवाली तलछट।

महीरावण पुं. (तत्.) 1. अद्भुत रामायण के अनुसार रावण के एक पुत्र का नाम 2. महिरावण।

महीरूह पुं. (तत्.) वृक्ष।

महीलता स्त्री. (तत्.) केंचुआ।

महीश पुं. (तत्.) राजा।

महीस पुं. (तत्.) राजा।

मही-सुत पुं. (तत्.) मंगल ग्रह।

मही-सुता स्त्री. (तत्.) सीता जी।

महुअर पुं. (देश.) 1. सँपेरों का एक प्रकार का बाजा जिसे तुमड़ी या तूँबी भी कहते हैं 2. एक प्रकार का इंद्रजाल का खेल जो उक्त बजाकर किया जाता है और जिसमें खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को अपनी इच्छा के वश में करके अनेक प्रकार के शारीरिक कष्ट देने का प्रयत्न करता है स्त्री. 1. एक भेड़ जिसका ऊन कालापन लिए लाल रंग का होता है 2. महुए को पीसकर उसके चूर्ण में बनाई जाने वाली रोटी।

महुअरी स्त्री. (तत्.) महुए के रस से साने हुए आटे की पकाई हुई रोटी।

महुआ पुं. (देश.) 1. बलुई भूमि में होने वाला एक वृक्ष जिसका कांड चिकना तथा धूसरित होता है और फूल सफेद तथा पीले रंग के होते हैं तथा पत्ते रोएँदार होते हैं 2. इस वृक्ष के छोटे, मीठे, सफेद फल तो खाए जाते हैं, और उनसे शराब बनाई जाती है 3. धूसरित रंग का बैल 4. हलका पीला रंग।

महुआ-दही पुं. (देश.) वह मथा हुआ दही जिसमें से मक्खन निकाल लिया गया हो।

महुआरी स्त्री. (तत्.) वह स्थान जहाँ महुए के बहुत से वृक्ष हो।

महूख पुं. (तद्.) 1. महुए का पेड़ और उसका फल 2. मुलेठी।

महेंद्र पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. इंद्र।

महेंद्राल स्त्री. (तत्.) महेंद्री (नदी)।

महेंद्री स्त्री. (तत्.) गुजरात प्रदेश की एक नदी।

महेर पुं. (देश.) 1. झगड़ा, बखेड़ा 2. व्यर्थ की देर या विलंब।

महेरा पुं. (देश.) 1. दही, मठा 2. दही में पकाया हुआ चावल, खेसारी का आटा या ऐसी ही और कोई चीज पुं. 1. महेर 2. महेला।

महेला पुं. (देश.) चने, उड़द, मोंठ आदि को उबालकर और घी, गुड़ आदि डालकर बनाया